لَّقَدۡ سَمِعَ ٱللَّهُ قَوۡلَ ٱلَّذِينَ قَالُوٓاْ إِنَّ ٱللَّهَ فَقِيرٞ وَنَحۡنُ أَغۡنِيَآءُۘ
سَنَكۡتُبُ مَا قَالُواْ وَقَتۡلَهُمُ ٱلۡأَنۢبِيَآءَ بِغَيۡرِ حَقّٖ وَنَقُولُ ذُوقُواْ
عَذَابَ ٱلۡحَرِيقِ ١٨١ ذَٰلِكَ بِمَا قَدَّمَتۡ أَيۡدِيكُمۡ وَأَنَّ ٱللَّهَ
لَيۡسَ بِظَلَّٰمٖ لِّلۡعَبِيدِ ١٨٢ ٱلَّذِينَ قَالُوٓاْ إِنَّ ٱللَّهَ عَهِدَ إِلَيۡنَآ أَلَّا
نُؤۡمِنَ لِرَسُولٍ حَتَّىٰ يَأۡتِيَنَا بِقُرۡبَانٖ تَأۡكُلُهُ ٱلنَّارُۗ قُلۡ قَدۡ
جَآءَكُمۡ رُسُلٞ مِّن قَبۡلِي بِٱلۡبَيِّنَٰتِ وَبِٱلَّذِي قُلۡتُمۡ فَلِمَ
قَتَلۡتُمُوهُمۡ إِن كُنتُمۡ صَٰدِقِينَ ١٨٣ فَإِن كَذَّبُوكَ فَقَدۡ كُذِّبَ
رُسُلٞ مِّن قَبۡلِكَ جَآءُو بِٱلۡبَيِّنَٰتِ وَٱلزُّبُرِ وَٱلۡكِتَٰبِ ٱلۡمُنِيرِ ١٨٤
كُلُّ نَفۡسٖ ذَآئِقَةُ ٱلۡمَوۡتِۗ وَإِنَّمَا تُوَفَّوۡنَ أُجُورَكُمۡ يَوۡمَ ٱلۡقِيَٰمَةِۖ
فَمَن زُحۡزِحَ عَنِ ٱلنَّارِ وَأُدۡخِلَ ٱلۡجَنَّةَ فَقَدۡ فَازَۗ وَمَا ٱلۡحَيَوٰةُ
ٱلدُّنۡيَآ إِلَّا مَتَٰعُ ٱلۡغُرُورِ ١٨٥ * لَتُبۡلَوُنَّ فِيٓ أَمۡوَٰلِكُمۡ
وَأَنفُسِكُمۡ وَلَتَسۡمَعُنَّ مِنَ ٱلَّذِينَ أُوتُواْ ٱلۡكِتَٰبَ مِن
قَبۡلِكُمۡ وَمِنَ ٱلَّذِينَ أَشۡرَكُوٓاْ أَذٗى كَثِيرٗاۚ وَإِن تَصۡبِرُواْ
وَتَتَّقُواْ فَإِنَّ ذَٰلِكَ مِنۡ عَزۡمِ ٱلۡأُمُورِ ١٨٦ وَإِذۡ أَخَذَ ٱللَّهُ مِيثَٰقَ
ٱلَّذِينَ أُوتُواْ ٱلۡكِتَٰبَ لَتُبَيِّنُنَّهُۥ لِلنَّاسِ وَلَا تَكۡتُمُونَهُۥ
فَنَبَذُوهُ وَرَآءَ ظُهُورِهِمۡ وَٱشۡتَرَوۡاْ بِهِۦ ثَمَنٗا قَلِيلٗاۖ فَبِئۡسَ مَا
يَشۡتَرُونَ ١٨٧ لَا تَحۡسَبَنَّ ٱلَّذِينَ يَفۡرَحُونَ بِمَآ أَتَواْ وَّيُحِبُّونَ أَن
يُحۡمَدُواْ بِمَا لَمۡ يَفۡعَلُواْ فَلَا تَحۡسَبَنَّهُم بِمَفَازَةٖ مِّنَ ٱلۡعَذَابِۖ

وَلَهُمْ عَذَابٌ أَلِيمٌ ﴿١٨٨﴾ وَلِلَّهِ مُلْكُ ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَٱلْأَرْضِ ۗ وَٱللَّهُ عَلَىٰ كُلِّ شَىْءٍ قَدِيرٌ ﴿١٨٩﴾

Theme	
The Jews insulted Allah and uttered a lie against Him. Everyone has to die. Test of the believers. Punishment for claiming credit for something you have not done.	यहूदियों ने अल्लाह तआला की शान में गुस्ताख़ी की और उस पर झूठ बाँधा। हर नफ़्स को मौत का मज़ा चखना है। अहल-ए-ईमान की आज़माइश। जो काम न किया हो, उसका सेहरा अपने सर बाँधने पर सज़ा।
Tarjumani	
Allah has heard the statement of those who said: "Allah is poor and we are rich!" Their words are recorded and so is their unjust killings of the Prophets. On the Day of Judgment, we shall say: "Taste now the torment of burning! Here is the reward of your deeds. Allah is not unjust to His servants." also say: "Allah has commanded us to believe in no Rasool unless he shows us a sacrifice consumed by a fire from the Heaven." Ask them: "Other prophets before me have come to you with clear arguments and showed this miracle you are asking for. Why did you kill them if what you say is true? O Muhammad if they reject you by calling you an impostor, so did they reject other Rasools before you, although they brought them clear signs, Divine Scriptures, and the enlightening	अल्लाह ने उन लोगों का कौल सुना जो कहते हैं कि अल्लाह फ़कीर है और हम गनी हैं उनकी ये बातें भी हम लिख लेंगे, और इससे पहले जो वे पैगम्बरों को नाहक कत्ल करते रहे हैं वह भी उनके नामए-आमाल में सब्त है (जब फैसले का उस वक़्त) हम इनसे कहेंगे कि लो, अब अज़ाबे-जहन्नम का मज़ा चखो, यह तुम्हारे अपने हाथों की कमाई है, अल्लाह अपने बन्दों के लिए ज़ालिम नहीं है	जो लोग कहते हैं, "अल्लाह ने हमको हिदायत कर दी है कि हम किसी को रसुल तस्लीम न करें जब तक वह हमारे सामने ऐसी कुरबानी न करे जिस (गैब से आकर) आग खा ल |" उनसे कहो, "तुम्हारे पास मुझसे पहले बहुत-से रसूल आ चुके हैं, जो बहुत-सी रौशन निशानियाँ लाए थे और वह निशानी भी लाए थे जिसका तुम जिक्र करते हो, फिर अगर (ईमान लाने के लिए यह शर्त पेश करने में) तुम सच्चे हो तो उन रसूलों को तुमने क्यों क़त्ल किया?" अब ऐ नबी, अगर ये लोग तुम्हें झुटलाते हैं तो

Book. Every soul shall taste death. You shall receive your full reward for everything which you have striven for on the Day of Resurrection Whoever is spared from the fire and is admitted into paradise will indeed be successful; for the life of this world is nothing but an illusory enjoyment. You shall certainly be tested through your wealth and your persons, and you will certainly hear much that is hurtful from those who were given the Book before you, and from the Mushrikeen. But if you endure with patience and have fear of Allah, this will surely be a proof of your firm determination. When Allah made the covenant with those who were given the Book, they were asked to spread the teachings of the Book to mankind and not to conceal them, but they cast it behind their backs and sold them for a petty price. What a bad bargain they made! Those who rejoice in their misdeeds and love to be praised for what they have not actually done, should never think that they will escape the punishment; in fact, they shall have a painful punishment; for all the dominions of the Heavens and the earth belong to Allah Who has power over everything.	बहुत-से रसूल तुमसे पहले झुटलाए जा चुके हैं जो खुली-खुली निशानियाँ और सहीफ़े और रौशनी बख्सनेवाली किताबें लाए थे	आख़िरकार हर शख्स को मरना है और तुम सब अपने-अपने पूरे अज्र क़ियामत के रोज़ पानेवाले हो	कामयाब दर-असल वह है जो वहाँ आतिशे-दोज़ख से बच जाए और जन्नत में दाख़िल कर दिया जाए	रही यह दुनिया, तो यह महज़ एक ज़ाहिर फ़रेब चीज़ है	मुसलमानों! तुम्हें माल और जान दोनों की आज़माइशे पेश आकर रहेंगी, और तुम अहले-किताब और मुशरिकीन से बहुत-सी तकलीफ़देह बातें सुनोगे	अगर इन सब हालात में तुम सब्र और ख़ुदातरसी की रविश पर कायम रहो तो यह बड़े हौसले का काम है	इन अहले-किताब को वह अहद भी याद दिलाओ जो अल्लाह ने इनसे लिया था कि तुम्हें किताब की तालीमात को लोगों में फैलाना होगा, इन्हें पोशीदा रखना नहीं होगा	मगर उन्होंने किताब को पसे-पुश्त डाल दिया और थोड़ी क़ीमत पर उसे बेच डाला	कितना बुरा कारोबार है जो ये कर रहे हैं	तुम उन लोगों को अंज़ाब से महफूज़ न समझो जो अपने करतूतों पर ख़ुश हैं और चाहते हैं कि ऐसे कामों की तारीफ़ उन्हें हासिल हो जो फ़िल-वाके उन्होंने नहीं किए हैं	हक़ीकत में उनके लिए दर्दनाक सज़ा तैयार है	ज़मीन और आसमानों का मालिक अल्लाह है और उसकी क़ुदरत सबपर हावी है	

Tafsir
